

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून:दिनांक 16 जनवरी, 2007

विषय-वित्तीय वर्ष 2006-07 में जनपद पिथौरागढ़ में निर्माणाधीन आडिटोरियम एवं संग्रहालय भवन के अवशेष कार्य हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1118/स0नि0उ0/दो-2/2006-07 दिनांक 11 सितम्बर, 2006 एवं शासनादेश संख्या-441/VI-I/2005 दिनांक 13 दिसम्बर, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पिथौरागढ़ प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय के अवशेष कार्यों के निर्माण हेतु रुपये 18.65 लाख (रुपये अठ्ठारह लाख पैंसठ हजार मात्र) व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के आधार पर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- निर्माण कार्य की प्रगति का अनुश्रवण संस्कृति विभाग के जनपद स्तर अधिकारी/नामित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि के द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिमाह कराकर इसकी मासिक आख्या शासन को प्रतिमाह उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ इस मासिक आख्या को अपनी संस्तुति सहित अग्रसारित करेंगे। इस आख्या में कार्य की मदवार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति भी उपलब्ध करायी जायेगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ समयबद्ध आधार पर पूर्ण करे का दायित्व निर्माण एजेंसी का होगा। स्वीकृत आगणन के अनुरूप स्वीकृत कार्यों को पूर्ण करने का समय सारणी निर्माण इकाई द्वारा प्रभारी राजकीय संग्रहालय, पिथौरागढ़ जिलाधिकारी के माध्यम से एक-एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी।

3- यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है और व्यय इस प्रकार किया जाये जिससे भवन का तुरन्त लोकार्पण किया जा सकें।

4- किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी0जी0एस0एण्ड0डी0 की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

5- चूंकि पत्रावली पर नियोजन विभाग द्वारा सम्पूर्ण कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं, इसलिये प्राथमिकता के आधार पर उक्त संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह में विद्युतिकरण का कार्य पूरा करा लिया जाय।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग तभी किया जा सकेगा जबकि कार्यदायी संस्था के द्वारा उनके पास उपलब्ध धनराशि रुपये 26.79 लाख का उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध करा दिया जायेगा।

- 7- स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के उपरान्त दिनांक 31-03-2006 तक इसका मदवार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- 8- इस कार्य को उच्चप्राथमिकता प्रदान करते हुए सम्पन्न कराया जायेगा एवं साप्ताहिक प्रगति का मदवार विवरण प्रभारी राजकीय संग्रहालय, पिथौरागढ़ जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। भविष्य में इस कार्य की लागत में कोई भी पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य न होगा।
- 9- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202 शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर प्रोजेक्ट परियोजना-04-कला एवं संस्कृति -106-संग्रहालय आयोजनगत पक्ष-00-03-संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण-24-वृहत निर्माण कार्य के आयोजनागत पक्ष के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।
- 10- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या-1535/वित्त अनुभाग-3/2006 दिनांक 10 जनवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी की जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 16 /VI-I/2007-65(सं0)/2001, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 8- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय लोक निर्माण विभाग, पिथौरागढ़।
- 9- एन0आई0सी0, देहरादून सचिवालय।
- 10- प्रभारी राजकीय संग्रहालय पिथौरागढ़।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव